

Series : %BAB%

SET-4

प्रश्न-पत्र कोड 78
Q.P. Code

रोल नं.
Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 6 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- Please check that this question paper contains 4 printed pages.
- Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 6 questions.
- **Please write down the Serial Number of the question in the answer-book before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period. *



कर्नाटक संगीत तालवाद्य (मृदंगम्)



CARNATIC MUSIC INSTRUMENTAL PERCUSSION (MRIDANGAM)

निर्धारित समय : 1 घण्टा

Time allowed : 1 hour

अधिकतम अंक : 15

Maximum Marks : 15



सामान्य निर्देश :

- (i) प्रश्न पत्र में 6 प्रश्न हैं।
- (ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (iii) प्रश्न संख्या 1, 2, 3 और 4 प्रत्येक के 2 अंक हैं। किसी एक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है।
- (iv) प्रश्न संख्या 5 आंतरिक विकल्प के साथ 3 अंकों का है।
- (v) प्रश्न संख्या 6, 4 अंकों का है।

1. शब्द “गुमकी” का वर्णन कीजिए। 2
2. अनुलोम और प्रतिलोम का वर्णन कीजिए। 2
3. संगीत रचना रागम-तानम-पल्लवी का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 2

अथवा

मृदंगम् बजाने में पलनी सुब्रमण्य पिल्लई के योगदान के विषय पर लिखिए।

*

4. शब्द “वारू” और “चोरू” का वर्णन कीजिए। 2
5. 50 शब्दों में लक्षण ग्रंथ “चतुर्दण्डि प्रकाशिका” का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। 3

अथवा

अपनी पसंद के किसी भी ताल वाद्य के निर्माण की व्याख्या कीजिए।

6. मृदंगम् वादन की कला में उमयालपुरम् कोदंड राम अय्यर (या) विल्वद्रि अय्यर के जीवन और योगदान की व्याख्या कीजिए। 4





General Instructions :

- (i) *The Question Paper has 6 questions.*
- (ii) *All questions are compulsory.*
- (iii) *Question Nos. 1, 2, 3 and 4 are of 2 marks each. There is an internal choice in one of the questions.*
- (iv) *Question No. 5 is of 3 marks with an internal choice.*
- (v) *Question No. 6 is of 4 marks.*

1. Explain the term “Gumki”. 2
2. Explain Anuloma and Pratiloma. 2
3. Describe briefly the musical form Ragam – Tanam – Pallavi. 2

OR

Write the contribution of Palani Subramanya Pillai in the field of Mridangam playing.

4. Define the terms “Varu” and “Choru”. 2
5. Describe briefly the Lakshana grantha “Chaturdandi Prakasika” (in 50 words.) 3

OR

Explain the construction of any percussion instrument of your choice.

6. Explain the life and contribution of Umayalpuram Kodanda Rama Iyer.
(OR) Vilvadri Iyer in the art of Mridangam playing. 4





*

